देवेन्द्र झुंझनूंवाला ने हरी झण्डी दिखाकर एम्बूलेंस का किया लोकार्पण

फोटो : रामनिवास सोनी

झुंझुनूं, 25 अक्टूबर। सामाजिक संस्था बृज स्मृति प्रन्यास की ओर से सामाजिक सरोकार की कड़ी में समाज को एक अत्याधुनिक एम्बूलेंस प्रदान की गयी है। स्व. बृजकिशोर अग्रवाल की स्मृति में गठित इस संस्था की ओर से समय-समय पर सामाजिक कार्य किये जाते है।

जानकारी देते हुए प्रन्यास के ट्रस्टी नितिन अग्रवाल एवं सचिन अग्रवाल ने बताया कि प्रात: 9 बजे श्री राणी सती मंदिर प्रांगण में मन्दिर के प्रधान पुजारी अनिल शास्त्री द्वारा विधिवत पूजा करने के बाद मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेन्द्र झुंझुनूंवाला ने एम्बूलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। प्रन्यास द्वारा यह एम्बूलेंस चिड़ावा में इस पुनित कार्य में लगे सोसल हैल्प सोसायटी को भेंट की गयी है एवं उनके द्वारा इसका संचालन होगा। गौरतलब है कि स्व. बृजकिशोर अग्रवाल की असमय मृत्यु रोड दुर्घटना में हुई थी। भविष्य में इस तरह की सड़क दुर्घटना के कारण कोई जनहानि ना हो उसी को मध्य नजर रखते हुए यह अत्याधुनिक एम्बूलेंस प्रदत्त कर स्व. अग्रवाल को श्रद्धांजलि देने का प्रयास किया गया है।

जानकारी देते हुए मनीष अग्रवाल ने बताया कि इस एम्बूलेंस की कीमत लगभग 20 लाख रुपये है। यह शेखावाटी की पहली अत्याधुनिक एम्बूलेंस है जिसमें आसीयू जैसी सुविधाए भी उपलब्ध है। जरूरतमंदों को झुंझुनूं में भी इसकी सेवा मिल सकेगी। इस अवसर पर श्रीमती विद्या अग्रवाल, डा.जे.पी.बुगालिया, डा.सतीश खिंचा, डा.बी.के.चावला, मालीराम वर्मा, विमल टमकोरिया, महेन्द्र रिगंसिया, नवल खण्डेलिया, डी.एन.तुलस्यान, दिनेशचन्द्र अग्रवाल, विनोद सिंधानिया, सीए पवन केडिया, राजेश केजडीवाल, एडवोकेट संजय शर्मा, राजकुमार मोरवाल, संजय पंसारी, विनोद मोरवाल, परमेश्वर हलवाई, गीलुराम मोदी, ताराचन्द गुप्ता भौडकीवाला, सुभाष क्यामसरिया, गुड्डु गाडिया, मन्दिर व्यवस्थापक विनोद कुमार शर्मा एंव प्रभुदयाल शर्मा सहित अन्यजन बडी संख्या में उपस्थित थे।

अक्षरधाम की भूमि के शुद्धिकरण के लिए पूजन

माई झुं.न्यूज। कालीबेरी स्थित अक्षरधाम की जमींन की शुद्धिकरण के लिए मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ में आहुतियां दी। जोधपुर में बहुप्रतीक्षित अक्षरधाम की भूमि के शुद्धिकरण के लिए सोमवार शाम स्वामी नारायण संस्था के संत ईश्वर चरणदास के सान्निध्य में पूजन हुआ। भूमि पूजन समारोह के साथ विश्वशांति स्वामी नारायण महायज्ञ भी हुआ, जिसमें 5 हजार से ज्यादा लोगों ने आहुतियां दी। यज्ञ में झंझनूं से भी 50 परिवारो की और से आहुतिया दी गयी।

महापौर रामेश्वर दाधीच सपत्नीक व सपरिवार यज्ञ में शामिल हुए और आहुतियां भी दी। हल्की बूंदाबांदी से ऐसा प्रतीत हुआ कि मानो इस शुद्धिकरण में भगवान इंद्र जलामृत बरसा रहे हों। संतों ने कहा कि अक्षरधाम मंदिर बनने के बाद जोधपुर में भक्ति का नया अध्याय दिखेगा। अक्षरधाम के स्वामी प्रेम स्वामी ने बताया कि विश्व शांति स्वामी नारायण महायज्ञ के लिए कालीबेरी स्थित गांधी नगर आवासीय योजना के समीप की चालीस बीघा जमीन पर बनाए 72 हवन कुंडों पर आठ से दस यजमान सपत्नीक बैठे। मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञ में आहुतियां दी। इसके लिए अहमदाबाद से पांच मुख्य पंडित बुलाए गए और प्रत्येक हवन कुंड पर पंडितों ने यजमानों से आहुतियां दिलवाई। इस दौरान विभिन्न प्रांतों से आए संत भी उपस्थित थे। झुंझनूं से सुभाष तेतरवाल सहित अन्यजन ने समारोह में भाग लिया।

24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ व युग सैनिक शिविर का समापन

झुंझुनूं 5 अक्टूबर। गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार व युग निर्माण योजना मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में जिले के बगड कस्बे में चल रहे 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ व युग सैनिक प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को पूर्ण आहुति के साथ समापन हो गया। महायज्ञ के अंतिम दिन कस्बे के सैकडों लोगो ने यज्ञ में भाग लिया। शांतिकुंज से आई टोली के नायक डॉ. गोपीवल्लभ पाटीदार ने अपने संबोधन में कहा कि व्यक्ति को स्वंय की सही परख सच्चा गुरू ही करवा सकता है और वही गुरू व्यक्ति को सदगति के मार्ग पर ले जा सकता है। कार्यक्रम में 101 दंपतियो के यज्ञोपवित्त संस्कार करवाए गए व 201 साधको को गुरू दीक्षा दी गई। इसके पश्चात महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई। कार्यक्रम में शांतिकुंज से आई टोली ने भजनो की शानदार प्रस्तुति दी।

योगी प्रेम स्वामीजी ने किया सत्संग

माई झुं.न्यूज। चूरू बाई स्थित बन्धे का बालाजी मंदिर के समीप अक्षर फार्म शिवकरण जानू के यहां रात्रि 7 से अक्षरधाम के योगी प्रेम स्वामीजी के सानिध्य में सत्संग का आयोजन हुआ जिसके स्वामीजी ने एक से बढ़कर एक भजनों की सुंदर प्रस्तुतियां देकर भक्तों को आनन्द विभोर कर दिया।

उन्होंने सत्संग में कहा कि जो समय भगवान एवं सत्संग के लिए निकालते है वही हमारी आत्मा के कल्याण में काम आता है। इस अवसर पर नीलकण्ठ स्वरूप दास स्वामी शिवरकण जानू, ओमप्रकाश शर्मा, सुभाष तेतरवाल, सुभाष राव, श्री कान्तपंसारी, रूपेश तुलस्यान, सुरेश तिवाड़ी वशिष्ठ कुमार शर्मा, संजय शुक्ला, रविशचन्द्र गाडिया, चन्द्रप्रकाश सोनी, सुभाष तेतरवाल सहित अन्यजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

श्री गोपाल गौशाला में चुंगीदाताओ का सम्मान समारोह

फोटो : रामनिवास सोनी

झुंझुनूं 5 अक्टुबर। श्री गोपाल गौशाला द्वारा विशिष्ठ अग्रणी सात चुंगीदाताओ का सम्मान समारोह शनिवार सायंकाल 5 बजे गौशाला प्रांगण में समारोह पूर्वक किया गया। मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष आयकर अपीलीय अधीकरण जी.डी.अग्रवाल दिल्ली, कार्यक्रम अध्यक्ष मुम्बई प्रवासी वरिष्ठ समाजसेवी श्यामसुन्दर पंसारी, विशिष्ठ अतिथी बंजरग लाल सौलानेवाला, समिति अध्यक्ष एंव सचिव ने कार्यक्रम का शुभारम्भ गौमाता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। अतिथियों का माल्यार्पण के साथ स्वागत किया गया। गौशाला समिति के अध्यक्ष ताराचन्द गुप्ता ने आये हुए अतिथियों का उद्बोधन देकर स्वागत किया। अतिथियों ने गोशाला द्वारा किये गये कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का कुशल संचालन परमेश्वर हलवाई ने किया। धन्यवाद ज्ञापित सचिव सुभाष क्यामसरिया ने किया। गौशाला को विशिष्ठ अग्रणी सात चुंगीदाताओ विजयकुमार राणासरिया, सुभाषचन्द्र जालान, किशोरीलाल टिबडा, विश्वनाथ टिबडा, शिवकुमार जालान, नारायण जालान एंव भरत कुमार तुलस्यान का माल्यार्पण के साथ गौमाता का प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियो द्वारा सम्मान किया गया।

समारोह में श्रवण केजडीवाल, केशरदेव तुलस्यान, मनोहरलाल सौलानेवाला, गिरधारी लाल शर्मा, सम्पत्त चुडैलेवाला, पवन गाडिया, रामचन्द्र मोदी, रोहिताश्व बंसल, रामचन्द्र तुलस्यान, एडवोकेट दिनेश अग्रवाल, गीलूराम मोदी, संजय राणासरिया, बंटी पंसारी, अरुण जालान, कृष्णकुमार जालान, नरौत्तमलाल जालान, कैलाश टिबडा एंव सीए मनीष अग्रवाल, सीए अश्विनी अग्रवाल सहित गौभक्त एंव गौशाला कार्यकारिणी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नवम्बर माह के व्रतोत्सव-2013

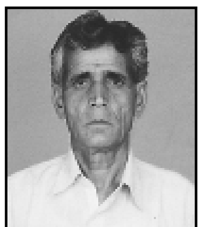

पंडित महावीर प्रसाद पारीक,
शास्त्री एम ए, संस्कृत
बीदासर- बिसाऊ
मोबाईल- 9460513758

माह नवम्बर 2013 (कार्तिक बदी तेरस से मगसिर बदी बारस तक) एक नवम्बर को इस माह का आगाज़ धनवन्तरी जयंती पद्म प्रभु जयंती (जैन) से हो रहा है। इस दिन धनतेरस का स्वंयसिद्ध अबूझ मुहूर्त चांदी सोने के बरतनों का क्रय मुहुर्त है। प्रसंगत: अन्य कीमती विलासिता की वस्तुओं का क्रय मुहूर्त भी चल पड़ा है। धनतेरस निमित सायं दीपदान होता है। वस्तुत: यह यमराज से सम्बन्ध रखने वाला व्रत है तथा चाँदी पितरों को प्रिय है तथा यमराज पितरों के अधिष्ठाता देव हैं, अत: चाँदी के बर्तन खरीदना पितरों के लिये प्रिय है। इसी लॉजिक से चाँदी खरीदना चला है। अन्य वस्तुओं की खरीददारी किसी औचित्य को साबित नहीं करती। धनतेरस के दिन दीपदान करने से असामयिक मृत्यु से बचाव होता है इसीलिये भगवान धनवन्तरी की जयंती का पर्व वैद्य समुदाय के लिये प्रेरणास्पद हो गया है। समुद्र मंथन के समय भगवान धनवन्तरी का प्राकट्य माना गया है। इस तरह से यह दिन दीर्घजीवन एवं आरोग्य लाभ का दिन है। 2 नवम्बर को नरक चतुर्दशी है। यद्यपि कार्तिक मास में तेल नहीं लगाना चाहिये परन्तु इस तिथि विशेष को शरीर में तेल लगाकर स्नान करना चाहिये। स्नानोपरांत यम के लिये तीन तीन जलांजलि उनके चौदह नामों से देनी चाहिये। सर्वत्र दीपदान करना चाहिये। इन तीन दिनों में दीपदान से स्थिर लक्ष्मी प्राप्त होती है। दो नवम्बर को ही हनुमज्जन्म महोत्सव है। इस दिन सीताजी ने हनुमानजी को अपने ललाट पर लगा सौभाग्य द्रव्य सिंदूर प्रदान किया था। सदैव अजर अमर होने का वरदान भी। तभी से हनुमानजी पर तेल सिंदूर चढाया जाता है।

तीन नवम्बर को दीपावली पर्व है। दीपावली पूजन के समय निम्नानुसार हैं- सायं 5:39 से 8:16 तक प्रदोष काल है, वृष लान सायं 6:23 से 8:20 तक सिंह लग्न मध्यरात्रि 12:53 से 3:09 तक यद्यपि विभिन्न नगरों में लग्नावधि घट बढ़ सकती है। अत: स्थानीय समय चौघड़िया आदि थोड़ा समझ कर करने की सलाह है। वैसे दीवाली पूजन पूरी रात्रि एवं दिन में भी शुभ चौघड़ियों में प्रशस्त है। वैसे मनसंतोष से सारा समय ही शुभ मुहुर्त है। मन का उत्साह मानसिक संतोष ये दो बड़े तत्व (फैक्टर) उद्योग के लिये प्रशस्त मौहोर्त्तिक समय है। इस दिन प्रमुख रूप से देहली विनायक पूजन महाकाली पूजन सरस्वती बहीखाता पूजन, कुबेर पूजन, तुला मान पूजन एवं दीपक पूजन लक्ष्मी गणेश पूजन एवं आरती पूजनादि मुख्य कार्यक्रम है। इस प्रकार से ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री लक्ष्मी का समाराधन पर्व धन त्रयोदशी से यम द्वितीया जो 5 नवम्बर को है चलता है। 4 नवम्बर को अन्नकूट 45 मुहूर्ति चन्द्र दर्शन भावों में मंदी कारक है। गोवर्धन पूजा बलिराज पूजा जैन संवत् 2540 प्रारम्भ होता है। 8 नवम्बर सूर्यषष्ठी व्रत। 10 नवम्बर को गोपाष्टमी दुर्गाष्टमी पंचक प्रारम्भ 21/49 से। 11 नवम्बर आँवला नवमी को आँवले की पूजा, दीप दान आंवले की जड़ में दुग्धधारा से पितृ तर्पण का पर्व है।

13 नवम्बर को देवोत्थापनी एकादशी, तुलसी विवाह पर्व है। इस दिन से मांगलिक कार्यों का शुभारम्भ हो जाता है। हरिवासर का अभाव है। द्वादशी को परणे में रेवती का तृतीयांश त्यागकर भोजन करना चाहिये। रेवती का अन्तिमांशही हरिवासर है। 17 नवम्बर को कार्तिकी पूर्णिमा सत्यव्रत गुरु नानक जयंती कार्तिक स्नान व भीष्मपंचक समाप्त। भीष्म पंचक एकादशी से पूर्णिमा तक पितामह भीष्म की पूजा है। 18 नवम्बर पंचक नामक शुभयोग 13/31 तक महीनों में उत्तम मागशीर्ष का प्रतिपदा है। 21 नवम्बर को चतुर्थीव्रत महिलाओं के लिये सौभाग्यप्रद। 22 नवम्बर को सायन सूर्य धनु राशि में सूर्य दक्षिणायन में ही है। 23 नवम्बर को शनि पुष्य योग भारी उद्योगों में लाभप्रद। 25 नवम्बर काल भैरवाष्टमी है जो शिव पूजा ही है। भगवान शिव के दो रूप है भक्तों को अभय देने वाला विश्वेश्वर रूप एवं दुष्टों को दण्ड देने वाला काल भैरव स्वरूप। भैरव जी का जन्म मध्यान्ह में हुआ था। अत: मध्याहन में पूजा करें एवं कुत्तों को मिष्ठान खिलाये। 28 नवम्बर महावीर स्वामी दीक्षादिवस जैनियों का पर्व है तथा 29 नवम्बर को उत्पन्ना एकादशी तथा 30 नवम्बर को शनि प्रदोष व्रत है। 2 दिसम्बर देवपितृकार्य अमावस्या है।

Wish you all happy Diwali & Prosporous new year

TULSHYAN ENTERPRISES

318-319, Goyal Trade Centre, Shantivan,
Near National Park, Borivali (E), Mumbai-400066
Tel-022-2896 8968 Telefax-022- 2896 8969
E-mail- rtulshyan@yahoo.com

(Dealing in Paper & Board)

Authorised Distributor for-

Laxmi Board & Paper Mills Ltd.Kalyan
(Mfr. 22to35 BF in GSM Range of 150to450)

Indo Afrique Paper Mills P. Ltd. Pune
(Mfr. Chemical Fluting Media in 100 to 180 GSM And 60 to 80 GSM in 28BF)

Nath Pulp & Paper Mills Ltd., Aurangabad
(Mfr. Kraft Board for Textile Tube and core)

Rama Pulp & Papers Ltd. Vapi
(Mfr. OTC, White Poster and absorbent kraft)

Asia Pulp & Paper P.Ltd., Banglore
(Imported Kraft Paper in all GSM)